भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3704 का उत्तर

सबरी एक्सप्रेस की दयनीय स्थिति

3704. श्री के. सुधाकरन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को सबरी एक्सप्रेस (17229/17230) की दयनीय स्थिति के संबंध में किसी माननीय संसद सदस्य से अभ्यावेदन/अनुरोध प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा निम्नलिखित से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जाने का प्रस्ताव है (एक) शौचालयों, विद्युत फिटिंग और यात्री सीटों की खराब स्थिति और (दो) कीड़ों और कृंतकों का प्रकोप;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि यह ट्रेन 1,500 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करती है और यात्रा पूरी करने में लगभग 29 घंटे का समय लेती है, जिससे यात्री सुविधा महत्वपूर्ण हो जाती है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस मार्ग पर विशेष रूप से सबरीमाला तीर्थयात्रा सीजन के दौरान ट्रेन सेवाओं को बढ़ाने की बड़ी मांग पर विचार किया है; और

(ङ) सबरी एक्सप्रेस के डिब्बों की स्थिति में सुधार करने और यात्रियों की अत्यधिक भीड़-भाड़ वाली अवधि के दौरान ट्रेन की आवृत्ति बढ़ाने के लिए क्या उपाय प्रस्तावित हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ) रेलवे को रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों, केन्द्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, परामर्शदात्री समितियों आदि से औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के अभ्यावेदन/अनुरोध प्राप्त होते हैं। चूंकि ऐसे

अभ्यावेदनों/अनुरोधों की प्राप्ति एक सतत् एवं गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अभ्यावेदनों/अनुरोधों का केंद्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता है। बहरहाल, अभ्यावेदन/अनुरोध आदि पर निर्धारित प्रक्रिया/दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाती है।

भारतीय रेल द्वारा सवारी डिब्बों का बदलना/मरम्मत करना एक सतत् प्रक्रिया है और यह गाड़ी की स्थिति/गतायु जीवन आदि पूरी होने पर किया जाता हैं।

भारतीय रेल ने पारंपरिक आईसीएफ डिब्बों की तुलना में बेहतर सवारी, बेहतर सौंदर्यपरक और हल्के वजन के डिजाइन, चढ़ाई रोधी व्यवस्था, विफलता संकेतक प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (द्वितीयक), कम संक्षारक आवरण आदि जैसी सुविधाओं के साथ प्रौद्योगिकीय रूप से बेहतर एलएचबी डिब्बों के विनिर्माण को बढ़ावा है।

2004-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान एलएचबी डिब्बों का उत्पादन निम्नानुसार है:

अवधि	निर्मित एलएचबी डिब्बे
2004-14	2,337 अदद
2014-24	36,933 अदद (लगभग 16 गुना)

तदनुसार, सभी सडिका रेकों को चरणबद्ध तरीके से एलएचबी रेकों से बदलने की योजना बनाई गई है। अब तक 1245 से अधिक सडिका रेकों को एलएचबी डिब्बों से बदला जा चुका है। इसके अलावा, भारतीय रेल ने और अधिक उन्नत संरक्षा सुविधाओं और यात्री सुविधाओं के साथ वंदे भारत और अमृत भारत गाड़ियां भी शुरू की है।

इसके अलावा, पैसेंजर गाड़ियों सहित डिब्बों के उचित अनुरक्षण की गुणवत्ता और सफाई को सुनिश्चित करने और सुधारने के लिए नियमित रूप से निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं:

- सवारी डिब्बों का अनुरक्षण कोचिंग डिपो/टर्मिनलों पर निर्धारित विस्तृत दिशा-निर्देशों और निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाता है। इन गतिविधियों के दौरान सभी गाड़ियों को ठीक से साफ किया जाता है और पानी भी भरा जाता है।
- यात्रा के दौरान कोचों के रखरखाव को सुविधाजनक बनाने के लिए ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सेवा और मध्यवर्ती स्टेशनों के लिए स्वच्छ गाड़ी स्टेशन सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं।
- क्षेत्रीय रेलों के मंडलों/डिपो और कारखानों में नामित अधिकारियों के माध्यम से इनकी नियमित निगरानी की जाती है।

इसके अलावा, 17229/17230 तिरुवनंतपुरम-सिकंदराबाद सबरी एक्सप्रेस एक दैनिक सेवा है, जो तिरुवनंतपुरम सिकंदराबाद खंड के यात्रियों की जरूरतों को पूरा करती है। इस गाड़ी का अनुरक्षण मानदंडों के अनुसार किया जाता है।

भारतीय रेल सबरीमाला सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को पूरा करने के लिए स्पेशल ट्रेन सेवाएं परिचालित करती है और तदनुसार, 2023-24 के दौरान स्पेशल ट्रेन की 166 यात्राएं परिचालित की गईं थी और इस वर्ष स्पेशल ट्रेन की 200 से अधिक यात्राएं अधिसूचित की गई हैं।

*****